महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. : 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 27.08.2016

प्रकाशनार्थ

पूर्व उत्तर प्रदेश विकास की दौड़ में बुन्देलखण्ड से भी पीछे होता गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश राजनीतिक उपेक्षा का शिकार हुआ। वीर बहादुर सिंह के घोड़े से कार्यकाल को छोड़ दें तो प्रदेश का नेतृत्व हमेशा पश्चिमी उ.प्र. के पास रहा। हम कृषि और पर्यटन के बल पर पूर्वी उत्तर प्रदेश को आर्थिक विकास की दृष्टि से समृद्ध और स्वर्ग जैसा सुन्दर बना सकते थे, किन्तु हम चूकते गए। प्रदेश की राजनीति जाति केन्द्रित होने के कारण भी 'विकास' पीछे छूटता गया। किन्तु अब पूर्वी उत्तर प्रदेश ने विकास की राह पकड़ी है। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महराज के निरन्तर प्रयत्नों से फर्टिलाइजर तथा एम्स के शिलान्यास से विकास की आशा की किरण जगी है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में चल रहे राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन **'पूर्वी उत्तर प्रदेश का विकासः चुनौतियाँ एवं समाधान'** विषय पर बोलते हुए बुद्ध पी.जी. कालेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतीश द्विवेदी ने कही।

डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि यदि हम सड़क, रेल का जाल बिछाकर जल आधारित विद्युत परियोजनाओं, कृषि आधारित उद्योगों, चीनी उद्योग को पुनर्जीवित कर, सामुदायिक जीवन का विकास कर, लघु–कुटीर उद्योगों का जाल बिछाकर, आम, केला, अमरूद जैसे कृषि खाद्य पदार्थों के लिए खाद्य–प्रसंस्करण योजनाओं का विकास कर, हैण्डलूम एवं कालीन उद्योग का विकास कर, रोजगार परक शिक्षा संस्थाओं की स्थापना कर पूर्वी उत्तर प्रदेश को ऐसा प्रदेश बना सकते है जो स्वावलम्बी होगा, सुन्दर होगा, हर हाथ को काम देने के साथ–साथ बाह्य प्रदेशों के नवजवानों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का सामर्थ्य रखने वाला होगा।

पूर्वी उत्तर प्रदेश को गुरू गोरखनाथ, महात्मा बुद्ध, महावीर जैन कबीर, गीताप्रेस केन्द्रित पर्यटन को विकसित कर हम एक ऐसे पर्यटन उद्योग को जन्म दे सकते है जो आर्थिक विकास के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश को स्वर्ग जैसा सुन्दर बना सकता हैं। ऐसा क्षेत्र जो सौन्दर्य के साथ धर्म–दर्शन का इस देने वाला, सुख–शान्ति का मार्ग बताने वाले क्षेत्र के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकता है। किन्तु राजनीतिक सत्ता का समर्थन एवं संरक्षण चाहिए। जागरूक जनता चाहिए।

व्याख्यान माला में **'वैश्विक ताप वृद्धिः चुनौतियाँ एवं समाधान'** विषय पर बोलते हुए भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मानव ने अपने उपभोगवादी प्रवृत्ति से धरती पर जीवन को ही संकट मे डाल दिया हैं अनियोजित, अनियंत्रित एवं असंतुलित विकास यात्रा ने आज दुनिया को विनाश के मार्ग पर बढ़ा दिया है। हमें विकास के ऐसे माडल पर विचार करना होगा संयमित उपभोग के सिद्धान्त पर आधारित हो। अमेरिका–यूरोपीय देशों के कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी रोक लगानी होगी। विकसित विकासशील देशों के बीच खाई पटिनी होगी और दुनिया में ताप वृद्धि के कारक पदार्थों के निर्माण एवं उनके उपयोग पर प्रतिबन्ध लगाने होगें।

साप्ताहिक व्याख्यान माला का संचालन प्राणि विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने किया तथा आभार अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर द्वारा ज्ञापित किया गया। वन्दे मातरम् महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान माल में श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. शिप्रा सिंह, सुश्री अंजलि, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री प्रतीक दास, डॉ. आम्रपाली वर्मा सहित महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

(डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी